चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 27 अप्रैल 2026, अंक –265.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

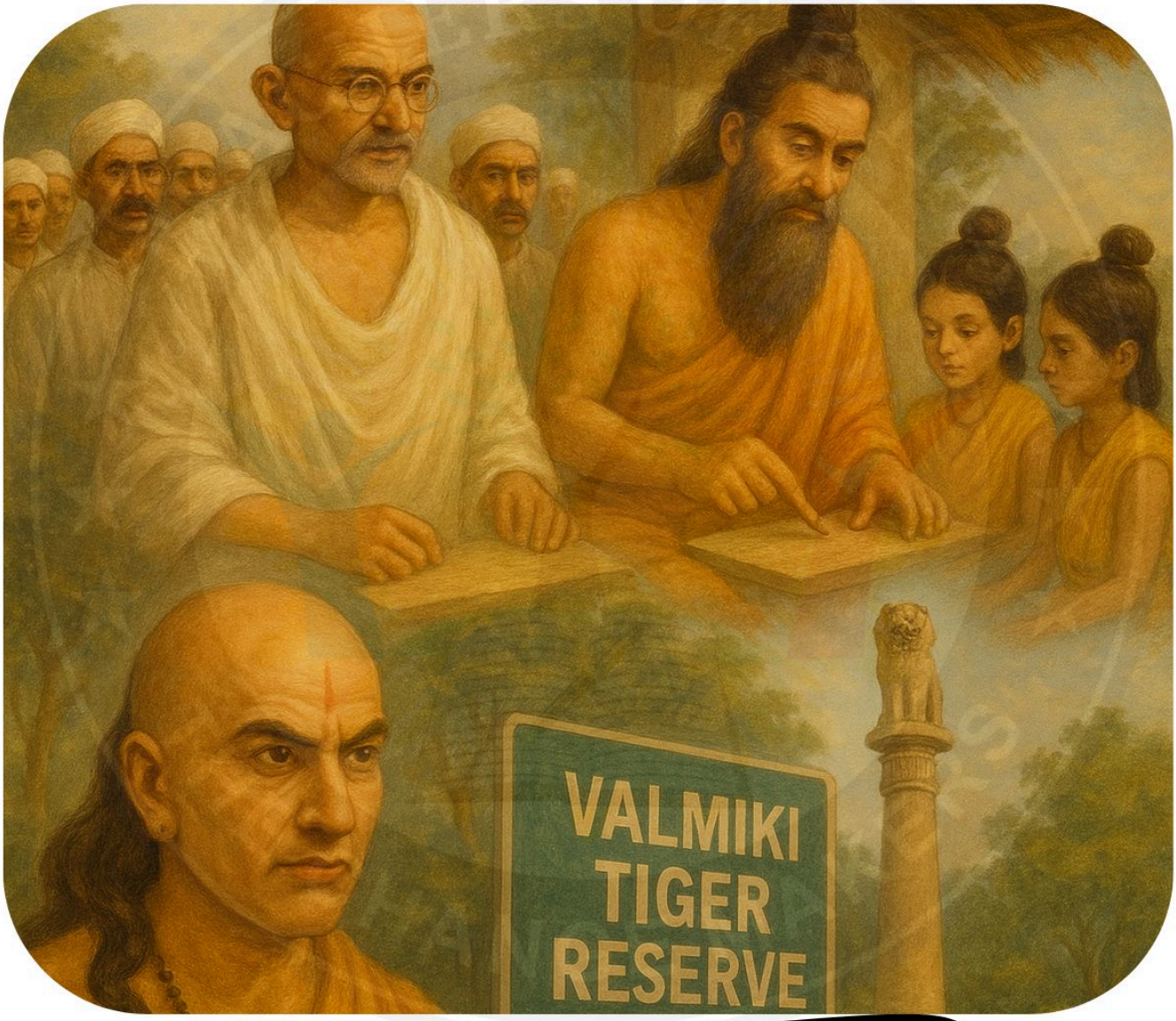

"नारी को शिक्षित करो, वो समाज को संवार देगी।"

-Dr. Bhimrao Ambedkar

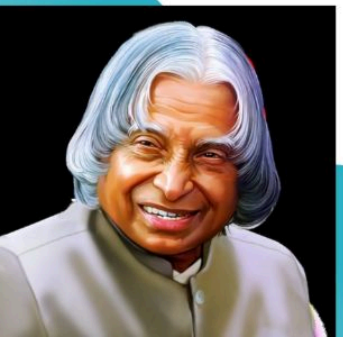

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे.....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. कनाडा की राजधानी क्या है?
उत्तर: ओटावा
प्रश्न 2. भारत के पहले योजना आयोग के अध्यक्ष कौन थे?
उत्तर: जवाहरलाल नेहरू
प्रश्न 3. बांस नृत्य (चेराव) किस राज्य में किया जाता है?
उत्तर: मिजोरम
प्रश्न 4. 49 का वर्गमूल क्या है?
उत्तर: 7
प्रश्न 5. बिहार का राजकीय फूल कौन सा है?
उत्तर: गेंदा
प्रश्न 6. दुधवा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: उत्तर प्रदेश
प्रश्न 7. टेलीग्राफ का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: सैमुअल मोर्स
प्रश्न 8. भारत में राज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है?
उत्तर: राष्ट्रपति
प्रश्न 9. 'मैं' शब्द किस प्रकार का सर्वनाम है?
उत्तर: पुरुषवाचक
प्रश्न 10. पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमने की क्रिया क्या कहलाती है?
उत्तर: परिक्रमण

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Push – (पुश) – धक्का देना
2. Pull – (पुल) – खींचना
3. Learn – (लर्न) – सीखना
4. Teach – (टीच) – सिखाना / पढ़ाना
5. Understand – (अण्डरस्टैण्ड) – समझना
6. Remember – (रिमेम्बर) – याद रखना

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: "वह ... रहा/रही है" (He/She is ...ing)

वह पढ़ रहा है। – He is reading.
वह लिख रहा है। – He is writing.
वह खेल रहा है। – He is playing.
वह खा रहा है। – He is eating.
वह सीख रहा है। – He is learning.

संकलन:-
सुनील कुमार राम
प्रधान शिक्षक
Govt. PS चिउटाहां
बगहा-2, प. चम्पारण

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

1. प्रतिवर्ष 26 अप्रैल को 'विश्व बौद्धिक संपदा दिवस' मनाया जाता है, 27 अप्रैल का दिन किस क्षेत्र में जागरूकता हेतु समर्पित है? (दिवस ज्ञान)
उत्तर: विश्व ग्राफिक्स दिवस
व्याख्या: 27 अप्रैल को 'विश्व ग्राफिक्स दिवस' (World Graphics Day) मनाया जाता है। यह दिन डिजाइन और संचार के क्षेत्र में ग्राफिक डिजाइनरों के योगदान को रेखांकित करता है। आधुनिक युग में डिजिटल साक्षरता और विजुअल कम्युनिकेशन की समझ के लिए यह महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: International Council of Design (2026).

2. हाल ही में 'सिक्स जी' (6G) तकनीक के सफल परीक्षण हेतु भारत के किस संस्थान ने वैश्विक नेतृत्व किया? (समसामयिकी)
उत्तर: आईआईटी मद्रास
व्याख्या: अप्रैल 2026 में आईआईटी मद्रास ने 6G संचार तकनीक के क्षेत्र में नए प्रोटोकॉल का सफल परीक्षण किया। यह भारत के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'डिजिटल इंडिया' मिशन को नई गति प्रदान करेगा। दूरसंचार और भविष्य की तकनीक से संबंधित प्रश्न आगामी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण हैं।
संदर्भ: Ministry of Communications, India, April 2026.

3. “My Experiments with Truth” के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)
उत्तर: गांधी
व्याख्या: “My Experiments with Truth” महात्मा गांधी की आत्मकथा है, जिसमें उन्होंने अपने जीवन के अनुभव, सत्य और अहिंसा के प्रयोगों को वर्णित किया है। यह पुस्तक नैतिकता और आत्म-अनुशासन के महत्व को दर्शाती है और प्रतियोगी परीक्षाओं में अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: Navajivan Publishing

4. 'पारिस्थितिकी तंत्र' (Ecosystem) शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग किसने किया था? (पर्यावरण)
उत्तर: ए.जी. टांसले
व्याख्या: 1935 में आर्थर जॉर्ज टांसले ने 'इकोसिस्टम' शब्द दिया। यह पर्यावरण के जैविक और अजैविक घटकों के बीच की अंत:क्रिया को परिभाषित करता है। पर्यावरण विज्ञान के इतिहास और उसकी शब्दावली से संबंधित यह प्रश्न उच्च स्तरीय परीक्षाओं में बार-बार पूछा जाता है।
संदर्भ: NCERT Class 7 Geography, Ch 1 Environment, p. 4.

5. गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश कहाँ दिया था? (इतिहास)
उत्तर: सारनाथ
व्याख्या: ज्ञान प्राप्ति के बाद बुद्ध ने अपना पहला उपदेश वाराणसी के निकट सारनाथ में दिया, जिसे 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहा जाता है। यहाँ उन्होंने चार आर्य सत्यों की व्याख्या की थी। यह स्थल भारतीय कला और दर्शन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 6 History, Ch 6 New Questions and Ideas, p. 58.

"सामान्य-ज्ञान"

6. भारत की 'सिलिकॉन वैली' (Silicon Valley) किस शहर को कहा जाता है? (भूगोल)
उत्तर: बेंगलुरु
व्याख्या: कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु को भारत की 'सिलिकॉन वैली' कहा जाता है क्योंकि यह सूचना प्रौद्योगिकी (IT) का सबसे बड़ा केंद्र है। यह दक्कन के पठार पर स्थित है और यहाँ की जलवायु सॉफ्टवेयर उद्योग के लिए अनुकूल है। यह आर्थिक भूगोल का एक प्रमुख तथ्य है।
संदर्भ: NCERT Class 8 Geography, Ch 4 Industries, p. 45.

7. संविधान सभा की पहली बैठक की अध्यक्षता (अस्थायी अध्यक्ष) किसने की थी? (संविधान)
उत्तर: सच्चिदानंद सिन्हा
व्याख्या: 9 दिसंबर 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक हुई, जिसमें सबसे वरिष्ठ सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को अस्थायी अध्यक्ष चुना गया। बाद में 11 दिसंबर को डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्थायी अध्यक्ष बने। यह प्रश्न भारतीय संवैधानिक इतिहास की शुरुआत को दर्शाता है।
संदर्भ: NCERT Class 11 Pol. Science, Ch 1 Constitution: Why and How?, p. 14.

8. 'विद्युत धारा' का SI मात्रक क्या है? (विज्ञान)
उत्तर: एम्पियर
व्याख्या: विद्युत धारा का SI मात्रक एम्पियर (Ampere) है। यह किसी चालक में बहने वाले विद्युत आवेश की मात्रा को मापता है। विद्युत धारा का अध्ययन इलेक्ट्रॉनिक्स और दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले उपकरणों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
संदर्भ: NCERT Class 10 Science, Ch 12 Electricity, p. 200

9. प्रसिद्ध 'कोणार्क सूर्य मंदिर' किस राज्य में स्थित है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: ओडिशा
व्याख्या: ओडिशा के पुरी जिले में स्थित कोणार्क मंदिर का निर्माण राजा नरसिंहदेव प्रथम ने करवाया था। इसे 'ब्लैक पैगोडा' भी कहा जाता है और यह रथ के आकार में बना है। यह यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।
संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 5 Rulers and Buildings, p. 64.

10. बिहार का एकमात्र 'राष्ट्रीय उद्यान' (National Park) कौन सा है? (बिहार GK)
उत्तर: वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान
व्याख्या: बिहार के पश्चिमी चम्पारण जिले में स्थित वाल्मीकि राष्ट्रीय उद्यान राज्य का एकमात्र नेशनल पार्क और टाइगर रिजर्व है। यह हिमालय की तराई में गंडक नदी के तट पर स्थित है। स्थानीय भूगोल और जैव विविधता की दृष्टि से यह बिहार के छात्रों के लिए अनिवार्य है।
संदर्भ: Bihar Forest Department / NCERT Class 9 Geography (Reference map).

"सामान्य-ज्ञान"

11. सुरक्षित शनिवार के अनुसार, 'लू' से प्रभावित व्यक्ति के शरीर का तापमान कम करने हेतु प्राथमिक क्रिया क्या है? (विद्यालय सुरक्षा)
उत्तर: गीली पट्टी/स्पंजिंग
व्याख्या: लू (Heatstroke) लगने पर यदि शरीर का तापमान बहुत बढ़ जाए, तो तुरंत सिर और शरीर पर ठंडे पानी की गीली पट्टी रखनी चाहिए। इससे शरीर का तापमान तेजी से गिरता है और मस्तिष्क को क्षति से बचाया जा सकता है। यह प्राथमिक उपचार आपदा प्रबंधन का मुख्य हिस्सा है।
संदर्भ: मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम मॉड्यूल; BSDMA निर्देशिका।

12. एक टोकरी में 10 आम हैं। यदि आप उनमें से 2 आम प्रतिदिन खाते हैं, तो 5वें दिन टोकरी में कितने आम बचेंगे? (रीजनिंग)
उत्तर: शून्य (0)
व्याख्या: यह सरल गणितीय तर्क है। यदि 2 आम प्रतिदिन खाए जाएं, तो 5 दिनों में कुल 2 \times 5 = 10 आम समाप्त हो जाएंगे। अतः 5वें दिन के अंत में टोकरी खाली होगी। यह बच्चों की गणना और तार्किक निरंतरता को परखता है।
संदर्भ: Basic Arithmetic Logic, Grade 5-6 Level.
एआई कन्फर्मेशन: इस अंक का डेटा मेरे ट्रैकिंग मैट्रिक्स में दर्ज हो गया है। आगामी अंकों में इन

GK संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण।

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abate (अबेट) = Lessen (लेसन) = कम होना / करना
Antonym – Intensify (इंटेन्सिफ़ाई) = बढ़ाना / तीव्र करना
Benevolence (बेनिवोलेंस) = Kindness (काइंडनेस) = दयालुता
Antonym – Malevolence (मैलिवोलेंस) = दुष्टता
Cajole (कजोल) = Persuade (पर्सुएड) = मनाना / फुसलाना
Antonym – Dissuade (डिसुएड) = रोकना / हतोत्साहित करना
Daunt (डॉन्ट) = Intimidate (इंटिमिडेट) = डराना / हतोत्साहित करना
Antonym – Encourage (इन्करेज) = प्रोत्साहित करना
Evoke (इवोक) = Elicit (इलिसिट) = उत्पन्न करना / जागृत करना
Antonym – Suppress (सप्रेस) = दबाना

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

Prime Minister inaugurates 'Bharat-Vatika 2026'; Govt to establish 5,000 Micro-Forests in Urban Areas to enhance City Air Quality.
प्रधानमंत्री ने 'भारत-वाटिका 2026' का उद्घाटन किया; शहरी वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए देश के शहरों में 5,000 माइक्रो-फॉरेस्ट स्थापित करने का लक्ष्य।

ISRO successfully test-fires 'Next Gen Launch Vehicle (NGLV)' Solid Booster; a major step towards making Space Logistics 30% cheaper.
इसरो ने 'नेक्स्ट जेन लॉन्च व्हीकल (NGLV)' के सॉलिड बूस्टर का सफल परीक्षण किया; अंतरिक्ष लॉजिस्टिक्स को 30% सस्ता बनाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम है।

Ministry of Education and NCERT launch 'Anubhavi Shiksha' framework to credit students for community-service and vocational internships.
शिक्षा मंत्रालय और एनसीईआरटी ने 'अनुभवी शिक्षा' ढांचा लॉन्च किया; अब सामुदायिक सेवा और व्यावसायिक इंटर्नशिप के लिए छात्रों को अतिरिक्त शैक्षणिक क्रेडिट मिलेंगे।

INTERNATIONAL NEWS

UN Human Rights Council adopts 'Universal Digital Identity Charter'; mandates safe and private digital access for displaced populations globally.
संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद ने 'सार्वभौमिक डिजिटल पहचान चार्टर' अपनाया; वैश्विक स्तर पर विस्थापित आबादी के लिए सुरक्षित और निजी डिजिटल पहुंच अनिवार्य।

BBC News: Global Solar Alliance reports Solar Power as the cheapest source of energy in 120 nations in the 2025-26 fiscal year.
बीबीसी न्यूज़: ग्लोबल सोलर एलायंस की रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में दुनिया के 120 देशों में सौर ऊर्जा ऊर्जा का सबसे सस्ता स्रोत बनकर उभरी है।

WHO announces 'Global One-Health' mission to monitor Zoonotic Viruses and prevent cross-species disease transmissions.
विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने जूनोटिक वायरस (पशुओं से फैलने वाले) की निगरानी और क्रॉस-प्रजाति रोगों को रोकने के लिए 'ग्लोबल वन-हेल्थ' मिशन की घोषणा की।

BIHAR NEWS

Bihar Government signs MoU with SCERT and IIT Madras to upgrade 5,000 primary schools with 'Smart Interactive Kits'.
बिहार सरकार ने 5,000 प्राथमिक स्कूलों को 'स्मार्ट इंटरएक्टिव किट' से लैस करने के लिए एससीईआरटी और आईआईटी मद्रास के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

Bihar Cabinet approves 'Startup Bihar 3.0' with ₹1,000 crore corpus; special focus on Agri-Tech and Rural Tourism startups.
बिहार कैबिनेट ने ₹1,000 करोड़ के कोष के साथ 'स्टार्टअप बिहार 3.0' को मंजूरी दी; एग्री-टेक और ग्रामीण पर्यटन स्टार्टअप्स पर विशेष ध्यान।

SPORTS NEWS

Indian Men's Relay Team wins Gold at Asian Athletics Grand Prix 2026; sets new National Record in 4x400m event.
भारतीय पुरुष रिले टीम ने एशियाई एथलेटिक्स ग्रैंड प्रिक्स 2026 में स्वर्ण पदक जीता; 4x400 मीटर स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया।

BCCI launches 'Future Stars Program' to identify 500 young cricketers from rural India for specialized high-performance coaching.
बीसीसीआई ने ग्रामीण भारत से 500 युवा क्रिकेटरों की पहचान करने और उन्हें विशेष हाई-परफॉर्मेंस कोचिंग देने के लिए 'फ्यूचर स्टार्स प्रोग्राम' शुरू किया।

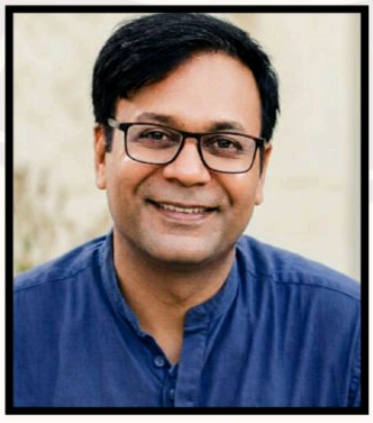

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

✍️ संदेश:

"करेंट अफेयर्स का नियमित अध्ययन ही प्रतियोगी सफलता की सबसे मजबूत नींव है।"

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग
"नई सोच"

विद्यालय में आज चर्चा का विषय था—रचनात्मक सोच और समस्या समाधान। सभी छात्र ध्यानपूर्वक सुन रहे थे।

मैडम जी ने पूछा—

"बच्चों, अगर किसी समस्या का आसान समाधान न मिले, तो क्या करना चाहिए?"

रवि बोला—

"मैडम जी, तब हम कोशिश छोड़ देते हैं।"

मैडम जी मुस्कुराईं—

"नहीं, वहीं से असली सोच शुरू होती है।"

फिर उन्होंने एक कहानी सुनाई—

एक छात्र था केशव। वह स्कूल के बाल संसद का जल और कृषि मंत्री भी था। स्कूल में पानी पीने के लिए एक ही नल था, जहाँ हमेशा भीड़ लगी रहती थी। बच्चे परेशान होते थे, लेकिन किसी ने समाधान नहीं सोचा।

केशव ने इस समस्या को अलग नजरिए से देखा। उसने बाल संसद के सदस्यों और नोडल शिक्षक के साथ मिलकर एक योजना बनाई—पानी के पाइप को बढ़ाकर दो और टोटी लगाने, पानी स्टोर करने के लिए एक अतिरिक्त टंकी लगाने और कतार बनाने के लिए निशान बनाने का सुझाव दिया। स्कूल प्रबंधन ने इस सुझाव को स्वीकार कर लिया।

धीरे-धीरे समस्या कम होने लगी। अब सभी बच्चे आराम से पानी पीने लगे।

मैडम जी ने कहा—

"देखा बच्चों, डिजाइन का मतलब केवल सुंदर बनाना नहीं, बल्कि समस्या का सही समाधान ढूँढना है।"

सीमा ने कहा—

"मैडम जी, अब समझ आ गया—नई सोच ही असली ताकत है।"

सभा के अंत में सभी छात्रों ने संकल्प लिया—

"हम हर समस्या को नए नजरिए से देखने की कोशिश करेंगे।"

🌟 संदेश : "नई सोच ही साधारण समस्या को असाधारण समाधान में बदल देती है।"

.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

अनुभाग-7

"शिक्षक संवर्धन"

स्वामी विवेकानंद का दर्शन — मनुष्य निर्माण और आत्म-विश्वास

स्वामी विवेकानंद का शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक और शक्तिशाली था। उनका सुप्रसिद्ध सूत्र है— "शिक्षा मनुष्य के भीतर पहले से ही विद्यमान पूर्णता की अभिव्यक्ति है।" इसका गहरा अर्थ यह है कि ज्ञान कहीं बाहर से नहीं आता; वह छात्र की अपनी आत्मा के भीतर ही स्थित है। जैसे एक खदान से कीमती रत्न निकालने के लिए केवल ऊपर की मिट्टी हटानी पड़ती है, वैसे ही एक शिक्षक का कार्य छात्र के मन पर जमी अज्ञानता की परतों को हटाना है ताकि उसका आंतरिक ज्ञान प्रकाशित हो सके। विवेकानंद उस शिक्षा के कट्टर विरोधी थे जो केवल मस्तिष्क को जानकारी से भर देती है और चरित्र को खोखला छोड़ देती है।

विवेकानंद जी के अनुसार, शिक्षा का वास्तविक अर्थ 'मनुष्य निर्माण' (Man-making) और 'चरित्र निर्माण' (Character-building) है। वे ऐसी शिक्षा चाहते थे जिससे छात्र अपनी जीविका कमाने के साथ-साथ अपने पैरों पर खड़ा हो सके और उसमें अदम्य आत्मविश्वास पैदा हो। वे अक्सर कहते थे कि हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे इच्छाशक्ति (Will-power) का प्रवाह बढ़े और वह नियंत्रण में रहे। एक शिक्षक के रूप में हमारे लिए उनका संदेश स्पष्ट है: हमारा लक्ष्य केवल परीक्षा पास कराना नहीं, बल्कि छात्र की सोई हुई शक्तियों को जगाना है।

उदाहरण:

इसे हम कक्षा के एक छोटे से दृश्य से समझ सकते हैं। कल्पना कीजिए एक छात्र है जो गणित से बहुत डरता है और खुद को 'कमजोर' मानता है। एक सामान्य शिक्षक शायद उसे और अधिक अभ्यास करने या सजा देने की बात करेगा। लेकिन विवेकानंद के दर्शन को मानने वाला शिक्षक छात्र के पास बैठकर उसे उसकी पिछली छोटी-छोटी सफलताओं की याद दिलाएगा। वह उसे समझाएगा कि "तुम्हारे भीतर वह सारी शक्ति है जिससे तुम इस समस्या को सुलझा सकते हो।" शिक्षक छात्र को डराने के बजाय उसमें 'आत्म-गौरव' का भाव भरेगा। जब छात्र के भीतर यह विश्वास जाग जाता है कि "मैं कर सकता हूँ," तो उसके सीखने की गति और गुणवत्ता चमत्कारिक रूप से बढ़ जाती है। यहाँ शिक्षक ने ज्ञान बाहर से नहीं डाला, बल्कि छात्र के भीतर के 'डर' को हटाकर उसके 'आत्मविश्वास' को प्रकट कर दिया।

स्वामी विवेकानंद ने शिक्षक और छात्र के बीच 'पवित्र संबंध' और 'श्रद्धा' पर भी बहुत बल दिया। उनका मानना था कि बिना 'एकाग्रता' (Concentration) के ज्ञान प्राप्त करना असंभव है। वे कहते थे कि यदि उन्हें फिर से शिक्षा लेनी पड़े, तो वे तथ्यों को याद करने के बजाय 'एकाग्रता' का अभ्यास करेंगे। शिक्षक साथियों, हमारे लिए इसका व्यावहारिक अर्थ यह है कि हम कक्षा में केवल पाठ न पढ़ाएं, बल्कि बच्चों को ध्यान, एकाग्रता और मानसिक अनुशासन के छोटे-छोटे प्रयोग भी सिखाएं।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हमारा हर शब्द और हर व्यवहार छात्र में यह विश्वास पैदा करने वाला होना चाहिए कि वह 'अमृत का पुत्र' है और कुछ भी कर सकता है। शिक्षा केवल मस्तिष्क की कसरत नहीं, बल्कि हृदय की शुद्धि और इच्छाशक्ति का जागरण है। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा में बैठा सबसे पीछे वाला बच्चा खुद को 'शक्तिशाली' महसूस कर पा रहा है?

मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

"शिक्षक संवर्धन"

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न हैं, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वों का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

हिन्दुस्तान

स्कूली बच्चे देश दुनिया की खबरों से प्रत्येक दिन हो रहे रु-ब-रु

विशेष

- चेतना सत्र में बच्चों को दी जा रही जानकारी
- बगहा-2 प्रखंड के दर्जनों स्कूल में एचएम की पहल

बगहा,हमारे संवाददाता। बगहा-2 प्रखंड के सरकारी विद्यालयों में इन दिनों पारंपरिक पढ़ाई के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। शिक्षकों व प्रधानाध्यापकों की पहल पर एक दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्रों को सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की जानकारी देकर उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार किया जा रहा है। चेतना सत्र को अब केवल प्रार्थना तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि इसे ज्ञानवर्धक सत्र का रूप दे दिया गया है। प्रतिदिन सुबह चेतना सत्र के दौरान राष्ट्रगीत और प्रार्थना के साथ-साथ उस दिन की तिथि से जुड़ी ऐतिहासिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जानकारियां भी विद्यार्थियों को दी जा रही हैं। इससे छात्रों का सामान्य ज्ञान बढ़ रहा है और वे विभिन्न विषयों के प्रति जागरूक हो रहे हैं। प्रधानाध्यापक दयाशंकर साह,

प्राथमिक विद्यालय पटेहरा में चेतना सत्र के दौरान बच्चों को जानकारी देतीं शिक्षिकाएं।

प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार, नीतू कुमारी सहित शिक्षकों ने पिंटू कुमार, शैलेश पासवान, तीरेन्द्र राम सहित दर्जनों ने बताया कि सरकारी विद्यालय किसी भी स्तर पर निजी विद्यालयों से बेहतर है। किताबी ज्ञान के साथ ही साथ व्यवहारिक, प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ समसामयिक ज्ञान से उनको रुबरु कराया जाता है। इसके अलावा चेतना सत्र में ही हर दिन एक साहित्यकार और उनके साहित्य के बारे में भी जानकारी दी जा रही है। शिक्षक छात्रों को प्रमुख कवियों, लेखकों और उनके रचनात्मक योगदान के बारे में बताते हैं। शिक्षकों का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को सिर्फ पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर उन्हें व्यापक ज्ञान देना है, ताकि भविष्य में वे विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।बगहा-2 प्रखंड के कई सरकारी विद्यालयों में चेतना सत्र को अधिक ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने की पहल की जा रही है। यहां प्रतिदिन चेतना सत्र के दौरान छात्रों को एक सुविचार के साथ सामान्य ज्ञान के पांच प्रश्न भी पूछे जा रहे हैं। इसके अलावा शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को प्रेरणादायक कहानियां भी सुनाई जा रही हैं, जिससे उनमें नैतिक मूल्यों और सकारात्मक सोच का विकास हो सके। बगहा दो के बीईओ फूदन राम ने बताया कि चेतना सत्र के दौरान बच्चो को समसामयिक ज्ञान के साथ ही साथ कई जानकारियो से रुबरु कराया जाता है।

अनुभाग-8

कैरियर मार्गदर्शन श्रृंखला: पत्र संख्या - 40

"शिक्षा के क्षेत्र में भविष्य – प्रारंभिक शिक्षा में डिप्लोमा (D.El.Ed)"

'संपादकीय'

प्रिय विद्यार्थियों,

शिक्षण एक ऐसा पेशा है जो न केवल आपको रोजगार देता है, बल्कि राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का अवसर भी प्रदान करता है। यदि आप बच्चों को पढ़ाने में रुचि रखते हैं और इंटरमीडिएट के बाद जल्द से जल्द सरकारी नौकरी पाना चाहते हैं, तो D.El.Ed (Diploma in Elementary Education) आपके लिए सबसे उपयुक्त मार्ग है।

1. कोर्स का विवरण और अर्हता:

D.El.Ed दो वर्षीय पेशेवर डिप्लोमा कोर्स है। इसके माध्यम से आप प्राथमिक (कक्षा 1 से 5) और मध्य विद्यालयों (कक्षा 6 से 8) में शिक्षक बनने के योग्य हो जाते हैं।

- अर्हता: इंटरमीडिएट (12वीं) में किसी भी संकाय (कला/विज्ञान/वाणिज्य) से कम से कम 50% अंक (आरक्षित वर्गों के लिए 45%) होना अनिवार्य है।

2. नामांकन की विधि एवं प्रमुख संस्थान:

बिहार में सरकारी और निजी संस्थानों में नामांकन बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (BSEB) द्वारा आयोजित 'D.El.Ed Joint Entrance Test' के आधार पर होता है।

- प्रमुख संस्थान: बिहार के प्रत्येक जिले में स्थित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET), प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय (PTEC) और मान्यता प्राप्त निजी कॉलेज।
- नामांकन प्रक्रिया: प्रवेश परीक्षा के मेधा सूची (Merit List) के आधार पर काउंसलिंग होती है और कॉलेज आवंटित किए जाते हैं।
- वेबसाइट: deled.biharboardonline.com

3. कोर्स का फ्यूचर एवं रोजगार की संभावना:

बिहार सरकार द्वारा हाल के वर्षों में बड़े पैमाने पर शिक्षकों की भर्ती की गई है।

- यह कोर्स पूरा करने के बाद आपको CTET (केंद्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा) या BTET (बिहार शिक्षक पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण करनी होगी।
- इसके बाद आप बिहार लोक सेवा आयोग (BPSC) द्वारा आयोजित शिक्षक नियुक्ति परीक्षा में शामिल होकर स्थायी सरकारी शिक्षक बन सकते हैं।
- प्राइवेट स्कूलों में भी ट्रेंड शिक्षकों की भारी मांग रहती है और मानदेय आकर्षक होता है।

4. वित्तीय सहायता:

- बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड: इस कोर्स के लिए भी बिहार सरकार द्वारा स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण की सुविधा उपलब्ध है, जिससे आप निजी कॉलेजों की फीस आसानी से भर सकते हैं।
- छात्रवृत्ति: बिहार पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।
- वेबसाइट: pmsonline.bih.nic.in

मेरी सलाह: यदि आप धैर्यवान हैं और समाज में सम्मानजनक स्थान पाना चाहते हैं, तो शिक्षक प्रशिक्षण के इस कोर्स को प्राथमिकता दें।

.....✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए...!!!

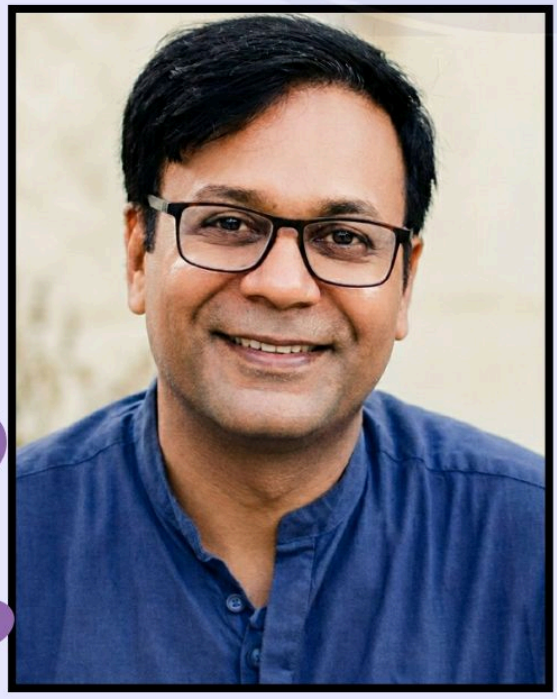

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org